

This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No.

7475

B.A. (Hons.)/III

D

HINDUSTANI MUSIC—Paper V

C-481—(Ancient and Medieval History upto Sharangdeva)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt *five* questions in all.

All questions carry equal marks.

कुल पाँच प्रश्न कीजिए ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

P.T.O.

1. Give a brief review of the musical references as found in Mahabharat.

महाभारत में निहित सांगीतिक तत्वों का संक्षिप्त वर्णन कीजिये ।

2. Give a brief account of the concept of 'Rasa' as described in Natyashastra.

नाट्यशास्त्र में वर्णित रस की अवधारणा की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये ।

3. Describe the classification of Ragas given by 'Sharangadeva'.

शारंगदेव की राग वर्गीकरण पद्धति का वर्णन कीजिये ।

4. Describe any *one* of the following :

(a) Natyashastra

(b) Nardiya Shiksha.

निम्न में से किसी एक का वर्णन कीजिये :

(अ) नाट्यशास्त्र

(ब) नारदीय शिक्षा ।

5. Define any *two* of the following Pairs :

(a) Aranyageyagana — Gramgeyagana

(b) Gram — Moorchana

(c) Nibaddha Gana — Anibaddha Gana.

निम्नलिखित जोड़ियों में से किन्हीं दो को परिभाषित कीजिये :

(अ) आरण्यगेयगान — ग्रामगेयगान

(ब) ग्राम — मूर्च्छना

(स) निबद्ध गान — अनिबद्ध गान ।

6. Define Dhruva and state how they help to make a drama more effective.

ध्रुवा की परिभाषा दीजिये तथा वर्णन कीजिये कि नाट्य को अधिक प्रभावशाली बनाने में ये किस प्रकार सहायक हैं ।

7. Explain the contents of 'Brihaddeshi' with special reference of 'Raga'.

बृहद्देशी की विषयवस्तुओं का राग के विशेष संदर्भ में वर्णन कीजिये ।

8. Write short notes on any *two* of the following :

- (a) Dhatu
- (b) Sam-Vikar
- (c) Sarana Chatushtayi
- (d) Giti.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

- (क) धातु
- (ख) सामविकार
- (ग) सारणा चतुष्टयी
- (घ) गीती ।